

Hindi Murli Quiz 01-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है। मुरली सुनने के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें। पुरानी क्विज के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें।

Q.1) ब्रह्म-महूर्त के समय विशेष ब्रह्मलोक निवासी बाप ज्ञान सूर्य की लाईट और माइट की किरणें बच्चों को वरदान रूप में मिलती हैं। साथ-साथ ब्रह्मा बाप भाग्य विधाता के रूप में भाग्य रूपी अमृत बाटते हैं सिर्फ बुद्धि रूपी कलष अमृत धारण करने योग्य हो। अमृतवेले का वातावरण ही वृत्ति को बदलने वाला होता है इसलिए उस समय वरदान लेते हुए दान दो अर्थात् वरदानी और महादानी बनो।

- A. ☐ False
B. ☐ True

Q.2) बापदादा ने कहा कि सभी टीचर्स विशेष सेवाधारी हैं अर्थात् अपनी वाणी और कर्म द्वारा बाप को प्रत्यक्ष करने वाली हैं। बाप को प्रत्यक्ष करने के लिए टीचर्स को बापदादा द्वारा दी हुई शिक्षा पर आधारित यह एक्सरसाइज बहुत ध्यान से सभी सही पॉइंट्स चयन करके पूरी करें ---

- A. ☐ स्पष्ट भी हो, स्नेह भी हो, मधुरता भी हो और महानता भी हो।
B. ☐ शिवरात्रि बाप को प्रत्यक्ष करने का दिन है। जो अन्दर में समाया हुआ है वह लोगो को प्रत्यक्ष दिखाई दे।
C. ☐ सत्यता भी हो लेकिन स्वरूप की नम्रता भी हो, इसी रूप से बाप को प्रत्यक्ष करना है।
D. ☐ सिर्फ भाषण नहीं लगे, लगन में मगन मूर्त अनुभव हो।
E. ☐ निर्भय हो लेकिन बोल मर्यादा के अन्दर हों। दोनों बातों का बैलेन्स हो।
F. ☐ लोग कहते हैं लेकिन स्वरूप नहीं बनते, परन्तु आपका बोल और स्वरूप दोनों साथ-साथ हो।

Q.3) बापदादा ने सेवा में बृद्धि करने के लिए और सबको सन्देश पहुंचाने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिये हैं ----

"इस वर्ष सभी वर्ग वालों को सम्पर्क में लाओ। ऐसे सम्पर्क में हो जो अपनी अर्थो रिटी से इशारा मिलते ही सब कार्य सम्पन्न कर दें। जैसे शुरू में लक्ष्य रहता था कि हरेक का भाग्य जरूर बनाना है, वैसे अब लक्ष्य हो कि हर वर्ग की आत्माओं को सम्पर्क में लाकर विशेष सेवा के अर्थ निमित्त बनाकर सहयोग लें। ऐसी विशेष आत्मा निकलें जो एक द्वारा अनेकों को सन्देश प्राप्त हो जाए। विश्व पिता का टाइटिल है तो विश्व में तो वैरायटी चाहिए ना। नई विश्व की स्थापना के लिए सब प्रकार के बीज चाहिए, तब विश्व कल्याणकारी बन सकेंगे।"

- A. ☐ True
B. ☐ False

Q.4) आज की मुरली में बापदादा ने मधुवन भूमि की बहुत प्रशंसा की है। उसमें से मुख्य पॉइंट्स चयन करें ---

- A. ☐ इस भूमि पर अनेक प्रकार के अनुभवों का खजाना सहज प्राप्त होता है।
B. ☐ मधुवन विशेष यादगार भूमि है, जिसकी महिमा आज भी भक्त लोग कर रहे हैं।
C. ☐ यह महान भूमि वा महान तीर्थ स्थान है।
D. ☐ इस भूमि में आने से अनेक आत्माओं का व्यर्थ समाप्त हो जाता है।
E. ☐ मधुवन स्थूल एवं सूक्ष्म प्राप्तिरूपों का भण्डार है।
F. ☐ भक्त लोग इस दिव्य भूमि के वा श्रेष्ठ स्थान के दर्शन के लिए अब तक भी तड़पते रहते हैं।
G. ☐ यहाँ मनचाहा वरदान याद और भूमि के आधार से सहज ही पा सकते हैं।

Q.5) वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---

	Choice		Match
A	अर्थो रिटी और नम्रता दोनों के बैलेन्स की कमाल दिखाओ,	1	इसको कहते हैं बाप की प्रत्यक्षता का साधन।
B	जैसे अगरबत्ती वायुमण्डल को परिवर्तन कर देती,	2	तो एक राज्य, एक धर्म वाली दुनिया आ जायेगी।
C	बाप के स्नेह में ऐसा स्नेह स्वरूप हो जाओ,	3	कि सबको आपके चित्र, चलन से बाप का स्नेह नजर आये।
D	यह मिलन है संस्कार मिलन अर्थात् सबके संस्कार एक हो जाए,	4	वैसे सब ब्रह्मणों की रहम की वृत्ति अगरबत्ती का काम करे।
E	स्नेह मिलन अर्थात्	5	कम्पलेन खत्म और उल्लास में आ जाएँ।

Q.6) बाप ने जीवन बनाकर बच्चों को आगे किया। अब तक के रिजल्ट में आत्माओं ने यह अनुभव किया है कि ब्रह्मा कुमारियां महान आत्मायें हैं, महान जीवन वाली हैं। इसका वे वर्णन भी करते हैं, सुनाने वालों को पहचानते भी हैं। लेकिन उनको बनाने वाला बाप अभी भी गुप्त है और उसको प्रत्यक्ष करना टीचर्स का कर्तव्य है। बाप को प्रत्यक्ष करना अर्थात् ----- है।
[निम्नलिखित विकल्पों में से मुरली में दिया गया विकल्प चयन कर रिक्त स्थान भरें]

- A. ☐ आज्ञाकारी बनना
B. ☐ कर्मातीत बनना
C. ☐ विजय का झण्डा लहराना
D. ☐ सम्पूर्ण बनना,

Q.7) आज की मुरली में बापदादा ने टीचर्स को सेवा के विषय में निम्नलिखित सुझाव दिये हैं। चेक करके बताएं क्या यह सत्य है ?
"जिस समय स्टेज पर आते हो तो जितना अपने अन्दर बाप का स्नेह इमर्ज होगा उतना स्नेह का बाण औरों को भी स्नेह में घायल कर देगा। स्टेज पर आने के पहले मनन करके बुद्धि में पहले से ही टापिक का स्पष्टीकरण कर लेना चाहिए तो टापिक की भी अर्थो रिटी होकर बोलेंगे। जब बोलना शुरू करते हो तो एक अन्दर की अर्थो रिटी और बोल में दिल की आवाज से बाप की महिमा हो, जो सबकी बुद्धि को हिलावे और बाप से आत्माओं का सम्बन्ध भी जोड़ते जायें।"

- A. ☐ False
B. ☐ True

Q.8) वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं -----

	Choice		Match
A	सेवाधारी अर्थात् बाप समान,	1	वे डबल ताजधारी बनते हैं।
B	शरीर द्वारा स्थूल सेवा करते हो,	2	तो देखने वाले को अनुभव होगा कि यह कोई अलौकिक शक्ति है।
C	जो एक ही समय पर तन-मन की डबल सेवा करते,	3	जिससे डबल सेवा नैचुरल और निरन्तर हो जाए।
D	जो मन्सा और कर्मणा दोनों सेवा साथ-साथ करते हैं,	4	क्योंकि बाप भी सेवाधारी बनकर आते हैं।
E	डबल सेवा का अभ्यास को आगे बढ़ाओ।	5	लेकिन मन्सा द्वारा विश्व परिवर्तन की सेवा में तत्पर रहते।
F	क्रोधी का काम है क्रोध करना,	6	और आपका काम है स्नेह देना।

Q.9) मधुबन निवासियों को जो साधन है, संग है, भूमि के महत्व का सहयोग है, वायुमण्डल का सहज साधन है, क्या उसी प्रमाण -----
-----हो?

[निम्नलिखित विकल्पों में एक ही विकल्प मुरली के अनुसार है, उसके द्वारा रिक्त स्थान भरें]

- A. ☐ चढ़तीकला के अनुभवी
B. ☐ सर्वप्राप्ति-स्वरूप
C. ☐ शक्ति-स्वरूप
D. ☐ तीव्र-पुरुषार्थी
E. ☐ सिद्धि-स्वरूप

Q.10) वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं -----

	Choice		Match
A	लवलीन आत्मा स्वतः योगी होगी,	1	जब सर्व प्राप्ति के अनुभवी स्वरूप होंगे।
B	जब बुद्धि को एक ठिकाना मिल जाता है,	2	उसको याद में रहने का पुरुषार्थ नहीं करना पड़ेगा।
C	जब अपने पास सर्वशक्तियों का स्टॉक होगा,	3	तो बुद्धि का भटकना स्वतः ही बन्द हो जाता है।
D	.मन्सा सेवा करने के लिए व्यर्थ समाप्त हो,	4	तब ही सबको संतुष्ट कर सकेंगे।
E	सर्व की इच्छाओं को पूर्ण करने वाले तब बन सकेंगे,	5	और सदा एकाग्रता का अभ्यास चाहिए।